PUBLICATION NAME :	Uday Today
EDITION :	Delhi
DATE :	03/05/24
PAGE :	4

भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई), अहमदाबाद ने राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने महिलाओं को उद्यमिता को करियर के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित करने के प्रयास में आयोजित किया 97वां प्रोग्राम

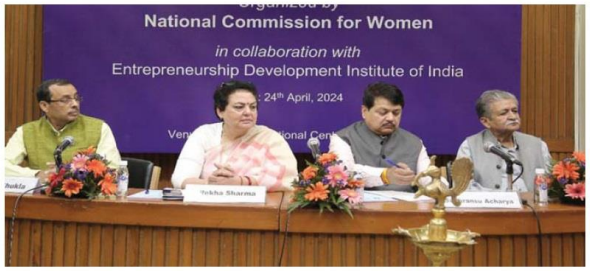

नई दिल्ली,(उदय दुडे)। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई), अहमदाबाद ने राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) के साथ साझेदारी में देश भर की भावी महिला उद्यमियों के लिए 100 एंटरेप्रेन्योरशिप अवेयरनैस प्रोग्राम आयोजित किए हैं, जिसके तहत महिलाओं को उद्यमिता को करियर के रूप में अपनाने के फायदों के बारे में जागरुक बनाया जा रहा है, साथ ही उद्यमी बनने में आने वाली सामाजिक, आर्थिक एवं पारिवारिक बाधाओं से निपटने पर भी जानकारी दी जा रही है। ऐसे ही 97वें प्रोग्राम का आयोजन आईआईसी दिल्ली में किया गया, जहां मिस रेखा शर्मा मुख्य अतिथि थीं। डॉ सुनील शुक्ला, महानिदेशक, ईडीआईआई; श्री सुभ्रांसु आचार्या, चीफ़ जनरल मैनेजर, सिडबी और मिस मीनाक्षी नेगी, सदस्य सचिव, राष्ट्रीय महिला आयोग भी इस अवसर पर मौजूद रहे।ईएपी का उद्देश्य महिलाओं को उद्यमिता को करियर के रूप में अपनाने के फायदे समझाना, तथा उद्यमिता में आने वाली सामाजिक, आर्थिक, पारिवारिक बाधाओं से निपटने में सक्षम बनाना, उन्हें उद्यमिता के लिए ज़रूरी कौशल सिखाना था। दिल्ली ईएपी का उद्देश्य महिलाओं में ओद्यौगिक कौशल विकसित करना था ताकि वे अपना व्यवसाय करने के लिए ज़रूरी ज्ञान, कौशल एवं प्रेरणा पा सकें। उद्घाटन के बाद सत्रों एवं पैनल चर्चाओं का आयोजन किया गया, जहां विशेषज्ञों ने उद्यमिता के बुनियादी पहलुओं पर विचार प्रस्तुत किए, जैसे कारोबारों के अवसरों को समझना, उद्यमिता की मानसिकता विकसित करना, महिलाओं की उद्यमिता में आने वाली आम चुनौतियां, उन्हें हल करने के तरीके, लिंग विशिष्ट चुनौतियां, तथा महिला कारोबारियों के लिए सरकारी योजनाओं पर जानकारी।मुख्य अतिथि श्रीमति रेखा शर्मा, चेयरपर्सन- राष्ट्रीय महिला आयोग ने कहा, ''देश भर में 97ईएपी किए जा चुके हैं। मुझे खुशी है कि महिलाओं ने इन्हें खूब पसंद किया है। इससे स्पष्ट है महिलाओं को थोड़ा सा सहयोग मिलने से भी उनका आत्मविश्वास बढ़ता है और वे अपने सपने साकार करने के लिए प्रेरित होती हैं। मुझे विश्वास है कि इस तरह के प्रयासों के अच्छे परिणाम होंगे और बड़ी संख्या मेंमहिलाएं अपना व्यवसाय करने के लिए प्रेरित होंगी। आने वाले समय में भी ईडीआईआई और राष्ट्रीय महिला आयोग इस तरह के प्रयास जारी रखेंगे।''ईडीआईआई के महानिदेशक डॉ सुनील शुक्ला ने कहा, ''महिलाएं ऐसा सेगमेन्ट है, जिस पर ईडीआईआई विशेष रूप से ध्यान देता है। ईडीआईआई देश भर की महिलाओं को उद्यमों को सफलता हासिल करने के लिए सक्षम बनाना चाहता है। संस्थान महिलाओं के विकास और आर्थिक सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। हमें इन प्रोग्रामों के लिए बहुत अच्छे परिणाम मिले हैं।'श्री सुभ्रांशु आचार्या, चीफ़ जनरल मैनेजर, सिडबी ने कहा, ''भारतीय राज्य और केन्द्र सरकारें बड़े पैमाने पर महिला उद्यमिता को बढ़ावा दे रहे हैं। महिलाओं को अपने उद्यम एवं स्टार्ट-अप्स शुरू करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है, उन्हें ज़रूरी ज्ञान, कौशल, आधुनिक सुविधाओं एव हर ज़रूरी सहयोग के साथ सक्षम बनाया जा रहा है। मैं इस दिशा में ईडीआईआई और राष्ट्रीय महिला आयोग के प्रयासों की सराहना करता हूं।'राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य सचिव मिस मीनाक्षी नेगी ने कहा, ''महिलाओं के लिए आर्थिक एवं सामाजिक सुरक्षा बहुत अधिक मायने रखती है। यह प्रोग्राम इसी अवधारणा पर आधारित है। यह देखकर अच्छा लगता है कि हमारा उद्देश्य साकार रूप ले रहा है और महिलाओं को अपने कारोबारों में सफलता हासिल करने में योगदान दे रहा है।'